4	पिस्तौल 22 बोर	1
5	पिस्तौल 32 बोर	4
6	पिस्तोल 9 एम एम	2
7	पिस्तोल ब्राउनिंग 45	2
8	रिवाल्वर 12 बोर	3
9	पिस्तोल देशी	6
10	कारबाईन एम जी	9
11	ए० आर० 15	1
12	राईफल 12 बोर डी बी बी एल	7
13	राईफल 12 बोर एस बीबी एल	1
14	राईफल 12 बोर (शाटगन डी बी बी एल)	2 (कट ईन साइज)
15	राईफल 12 बोर एस बी एल	1 (कट ईन साइज)
16	मैगजीन ए के --47	41
17	मैगजीन पिस्तोल	6
18	मैगजीन कारबयईन	19
19	मैगजीन 303 राईफल	3
20	मैगजीन जी पीएमजी	2
21	मैगजीन ए आर --15	1
22	7.22 एम एम (ए के --47)	3287
23	12 बोर	305+13 कारतूस खोल
24	9 एम एम	810
25	303 बी डी आर (7.62)	114
26	कारतूस 450	117
27	कारबाईन जी पी. एम. (कट)	248
28	.32 बोर	32
29	.455 बोर	23
30	राकेट	16
31	सभी प्रकार की तलवारें	7
32	बुलट प्रुफ जैकेट	1

"आपरेशन ब्लैक थंडर" के बाद आतंकवादियों का पाकिस्तान भाग जाना

730. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास ऐसी कोई जानकारी है कि "आपरेशन ब्लैक थंडर" के बाद कुछ आतंकवादी पाकिस्तान भाग गये थे और उनमें से अब कुछ चोरी छिपे भारत में फिर से प्रवेश कर गये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्) :

(क) और (ख) सूचना प्राप्त की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

रुग्ण एककों में फंसी बैंकों की धनराशि

731. **श्री बेकल उत्साही :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1988 तक राष्ट्रीयकृत बैंकों की कुल कितनी धनराशि रुग्ण एककों में फंसी पड़ी है ; और

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडआर्डो फेलेरियो) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है कि वर्तमान सूचना प्रणाली के अनुसार जून, 1987 के अंत में रुग्ण एककों, [जिनमें रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 की परिभाषा के अनुसार लघु उद्योग एककों से भिन्न एकक भी शामिल हैं] राष्ट्रीयकृत बैंकों के ऋणों की 2683.21 करोड़ रुपए की रकम बकाया थी ।

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के नाम समय समय पर मार्गनिर्देश जारी किए हैं, जिनमें, अन्य बातों के साथ-साथ प्रारम्भिक अवस्था में ही रुग्णता का पता लगाने, चेतावनी के संकेतों पर ध्यान देने, शाखाओं द्वारा नियंत्रक प्राधिकारियों को समय पर सूचित करने और समय रहते उपचारात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से संभावित अर्थक्षम रुग्ण औद्योगिक एककों का पुनरुद्धार करने के लिए मिले जुले कार्यक्रम तैयार करने के वास्ते भी कहा गया है । इन मिले जुले कार्यक्रमों में व्यवसायियों को शामिल करके, प्रबन्ध तंत्र को मजबूत करने, निदेश बोर्ड को व्यापक बनाने, प्रबन्ध समितियों का गठन करने आदि की योजना शामिल की जा सकती है । रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम, 1985 के अधीन, औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड, अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे निरोधात्मक, सुधारात्मक और उपचारात्मक उपाय भी सुझा सकता है, जो उसके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रुग्ण औद्योगिक कंपनियों के लिए किए जाने अपेक्षित होते हैं ।

Closure of Banks

732. SHRI M. S. GURUPADASWAMY:

DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state;

(a). whether Government have taken a decision to the effect that those nationalised banks which do not live up to Government's and people's expectations would be closed down;

(b) if so, whether any proposals are pending with Government for the closure of any such nationalised banks;

(c) if so, what are the details thereof and

(d) whether any such banks have since been closed down?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI ERUARDO FA-LEIIRO): (a) There is no decision to close any of the nationalised banks. Government's endeavour is to bring up the working of all nationalised banks to expected level.

(b) to (d) Do not arise.